

प्रेषक,

डी०एस० गब्याल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
अर्द्ध कुम्भ मेला-2016,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: 31 दिसम्बर, 2015

विषय— अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 के अर्न्तगत स्वीकृत खाराश्रोत में बस पार्किंग निर्माण कार्य संशोधित आगणन की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-1305/अ०कु०मे०/आगणन/2015-16, दिनांक 26.11.2015 तथा शासनादेश संख्या-1271/IV-3/2015-04(75)/2015, दिनांक 02.09.2015 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। उक्त सन्दर्भित शासनादेश दिनांक 02.09.2015 के द्वारा खाराश्रोत बाईपास मार्ग पर बस पार्किंग के निर्माण कार्य हेतु रु० 101.64 लाख के कार्य की स्वीकृति प्रदान की गयी थी, जिसके क्रम में आपके उक्त सन्दर्भित पत्र दिनांक 26.11.2015 के द्वारा संशोधित आगणन रु० 101.66 लाख उपलब्ध कराते हुये पुनः स्वीकृति का अनुरोध किया गया है।

2— उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ कि खाराश्रोत बाईपास मार्ग पर बस पार्किंग के निर्माण कार्य हेतु उपलब्ध कराये गये 101.66 लाख के संशोधित आगणन के टी०ए०सी० परीक्षण के उपरान्त खाराश्रोत बाईपास मार्ग पर बस पार्किंग के निर्माण कार्य हेतु औचित्यपूर्ण धनराशि रु० 101.12 लाख (रु० एक करोड़ एक लाख बारह हजार मात्र) के कार्य पर निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन स्वीकृति प्रदान की जाती हैं:—

- (i) भारत सरकार से प्राप्त धनराशि की प्रथम किश्त से ही उक्त धनराशि का समायोजन सुनिश्चित करेंगे।
- (ii) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (iii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iv) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

- (v) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।
- (vi) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (vii) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (viii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
- (ix) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय।
- (x) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा तथा कार्य की थर्ड पार्टी क्वालिटी चैकिंग कराई जाएगी।
- (xi) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगी।
- (xii) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी। साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा।
- (xiii) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण शहरी विकास विभाग के स्तर से भी किया जाएगा।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय।

3- प्रश्नगत कार्य हेतु पूर्व में ही शासनादेश संख्या-1271/IV-3/2015-04(75)/2015, दिनांक 02.09.2015 के द्वारा रु0 101.64 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है तथा वर्तमान में स्वीकृत संशोधित आगणन की धनराशि रु0 101.12 लाख है। अतः अवशेष धनराशि रु0 0.52 लाख को राजकोष में जमा किया जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-894/XXVII(2)/15, दिनांक 29 दिसम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डी0एस0 गर्बाल)
सचिव।

संख्या- 2161 / IV-3 / 2015-04(75) / 2015, तद्दिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी0-1/105, इन्दरा नगर, देहरादून।
3. निदेशक, शहरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती-ढालवाला।
7. अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती-ढालवाला।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(रईस अहमद)

अनु सचिव।